ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर न:- 02

ट्रैक न:- ZOOM00-28

ट्रैक समयावधि:- 42 : 32

कलाकार का नाम:- सुभान खां S/o खमेखाँ

पता:- गाँव- बड़नावा चारणान तह- पचपदरा
जिला - बाड़मेर

सहायक कलाकार:-

विडियो रिकॉर्डिंग समय

विषय:- कथा (माधुसिंह लखनाऊ दरबार) I Part

विशेष विवरण:-

दिनांक:- 6/6/2021

स्थान:- बड़नावा चारणान्

गायन/वादन:-

I part

Anand
DATE :
PAGE NO. : 34

वर्णन :- यह कथा माधुसिंह नामक राजपूत की है। माधुसिंह की दो पत्नीयाँ थी। एक दिन माधुसिंह काम के लिए दूसरे शहर जा रहा होता है तथा जिस औरत की रोटी बनाने की बारी होती है वह पानी लेने चली जाती है लेकिन मधुसिंह को शहर जाने की जल्दी होती है तो वह दूसरी पत्नी से कहता कि तुम ही बना लो पहले तो वह मना कर देती लेकिन माधुसिंह के कहने पर वह रोटिया बनाने लगती है तभी दूसरी पत्नी भी पानी लेकर आ जाती है वह उसे रोटी बनाते देख गुस्सा हो जाती है तथा अपने हाथ में पड़ी ईंडाणी फेंकती है तो वह साप बन जाता है। और जो रोटियाँ बना रही होती है वह अपने हाथ से कंगन उतारकर फेंकती है वह बिल्ली बन जाती है तथ बिल्ली और साप झगड़ने लगते है और थोड़ी देर में अदृश्य हो जाते है। यह नजारा माधुसिंह अपनी ~~आ~~ आँखों से देख माधुसिंह समझ जाता है कि उनकी दोनों पत्नीयाँ जादूगर है तथा वह दोनों पत्नीयों को आपस में मनाकर काम के लिए शहर चला जाता है। माधुसिंह लखनाऊ चला जाता है और लखनाऊ के बादशाह के यहां काम पर लग जाता है। तथा वह एक साल तक वहीं काम करता है तो उसकी राजा से अच्छी पहचान हो जाती है तथा राजा उसे अपना सारा काम काज सौंप देता। राजा के लड़का होता नहीं है तो वह मधुसिंह को अपने लड़के की तरहा रखता है। एक दिन राजा माधुसिंह से कहता है तुम शादी कर लो तो वह मना कर देता है अब माधुसिंह के लिए रिस्ते आने लगते है लेकिन लेकिन वह विवाह करने से मना कर देता है। माधुसिंह जब भी शहर से बहार जाता है तो वहा एक गरीब बुढ़िया के घर के पास से गुजरता है तो उस बुढ़िया की लड़की उस बुढ़िया से कहती है माँ आधा किलो दालिये में किलो नमक डालू या कम। मधुसिंह रोज वह से गुजरता है तो यही सुनता है तथा वह सोचता है कि यह लड़की कितनी भोली है इसकी मां इसे इतना समझाती है फिर भी नहीं समझती है। माधुसिंह सोचता है कि इस लड़की से ही विवाह करूंगा। माधुसिंह राजा से कहता है कि मैंने लड़की पसंद कर ली है तथा वहा उसी लड़की का कहता है तो राजा

माधुसिंह का विवाह उसी लड़की से करवा देता है। वह शादी के बाद उस बुढ़िया की झोपड़ी के स्थान पर महल बनवा देता है। मधुसिंह दिन में राजा के आगे काम करता है तथा रात में अपने घर जाकर सोता है। एक दिन मधुसिंह की पहले वाली पत्नियाँ उसकी पीछा करती करती उसी शहर में आ जाती और चील बनकर उसी के घर की दिवारोंपे जा बैठती है। उस समय मधुसिंह की पत्नी खाना बना रही होती है और वह खाना खा रहा होता है। उसकी पत्नी जैसे ही उस चीलों को देखती है तो अपने माँ से कहती है कि माँ यह तो कहता है कि कुवारा है इसकी तो दो औरते है तो उसकी माँ कहती है कहा लड़की कहती है कि दीवारों पर बैठी है।

इस प्रकार वे माँ और बेटी माधुसिंह कहती है कि ये उड़द पकड़ो अब हम लड़ेंगे तो तुम यह उड़द हम पर फेंकना और कहना "धोलस्यों की ज्य" कालस्यों की खै" तो हम बच जाएगी और ये मर जाएगी। इस तरह वह भी चीलें बन जाती है और चारों लड़ने लगती है तो माधु-सिंह उन पर उड़द फेंकता है और कहता कि कालस्यो री खें "धोलस्यो री खें" एसा कहने से वे चारों मर जाती है। माधुसिंह उन्हें फेंककर राजा के घर चला जाता है दिन भर काम करता है और रात में अपने घर नहीं जाता है तो राजा उसे बात पूछता है तो वह सारी बात बताता है और कहता है कि अब मैं शादी नहीं करूँगा।